पंचायत समिति खैराबाद में विभिन्न विकास कार्यों के शिलान्यास और लोकार्पण में माननीय अध्यक्ष का सम्बोधन

पंचायत समिति खैराबाद में आज सांसद कोष, माडा और विभिन्न विकास योजनाओं के माध्यम से विकास के कई कार्यों का शिलान्यास और लोकार्पण किया जा रहा है। इसके लिए मैं पंचायत समिति खैराबाद के सभी जनों को बहुत बहुत बधाई देता हूँ, आप सभी को शुभकामनाएं देता हूँ।

आज का दिन खैराबाद पंचायत समिति के लिए विशेष दिन है। आज यहाँ 100 से अधिक विकास कार्यों (कुल 107) का शिलान्यास और लोकार्पण होने जा रहा है।

आज खैराबाद पंचायत समिति में आंगनबाड़ी, बावड़ी, कक्षा कक्ष, सामुदायिक केंद्र हॉल, गौशाला, ओपन जिम, खेल के मैदान, पंचायत भवन, सड़क, मुक्तिधाम, स्कूल भवन का रीनोवेशन जैसे अनेक कार्यों का शिलान्यास और लोकार्पण होने जा रहा है।

कुल मिलकर 107 प्रोजेक्ट्स में से 52 प्रोजेक्ट्स का शिलान्यास हो रहा है और 55 प्रोजेक्ट्स तैयार हो चुके हैं, जिनका लोकार्पण होने जा रहा है। मैं क्षेत्र के हर एक जन को इसके लिए बहुत बधाई देता हूँ।

जब हम अपने देश के विकास की बात करते हैं, तो वास्तव में हम अपने गाँवों के विकास के लिए काम करते हैं। क्योंकि देश की खुशहाली का रास्ता गाँवों में से होकर जाता है।

जब गाँव में पक्की सड़क बनती है, स्कूल, अस्पताल, पानी की टंकी, लाइट लग जाती है, तो गाँव के लोग आगे बढ़ते हैं; और देश को आगे बढ़ाने का काम करते हैं।

मैं जब राजनीतिक/सार्वजनिक जीवन में आया था, तो इसके पीछे मेरी एक सोच थी कि जो सुविधाएं शहरों को मिलती है, जो तरक्की शहरों में होती है, वो गाँव में भी होनी चाहिए। स्वास्थ्य से लेकर शिक्षा, सड़क, बिजली की मूलभूत हर जरूरत पूरी होनी चाहिए।

इसी सोच के साथ हमने “सुपोषित माँ अभियान” चलाया। इस अभियान में हमने गाँव-गाँव की माता-बहनों और बेटियों पर फोकस किया।

इसके पीछे उद्देश्य था कि हमारी माताओं-बहनों को पूरा पोषण मिले, नवजात शिशु को पूर्ण पोषण मिले; ताकि देश की आने वाली पीढ़ी पूरी तरह स्वस्थ हो। हमने कोशिश की कि इस अभियान में मैक्सिमम रजिस्ट्रेशन कोटा-बूंदी के गाँवों से हो।

हमने जब "हॉस्पिटल ऑन व्हील्स" अभियान शुरू किया, तो हमारा यही उद्देश्य था कि गाँव-गाँव में हर एक घर तक बेसिक स्वास्थ्य सुविधा लोगों के दरवाजे तक पहुँचे।

हमने जब "हर गाँव स्वस्थ-हर परिवार स्वस्थ" अभियान चलाया , तो इसके पीछे भी मेरी यही सोच रही कि गाँवों में बसने वाले मेरे हर एक परिवार तक स्वास्थ्य की सभी सुविधाएं पहुँचे।

हमने खेल महोत्सव का आयोजन करवाया तो, इसके पीछे मेरा यही विचार रहा कि खेल के क्षेत्र में गावों में जो टैलेंट बसा है, हम उसको आगे बढ़ा सकें।

इन वर्षों में गाँव-ढाणी की हर एक स्कूल, हर एक सड़क, हर एक बस्ती को आगे बढ़ाना मेरा लक्ष्य रहा है। और इसके लिए हमने काम किया है।

मैं समझता हूँ कि जब ग्राम पंचायतों में विकास होता है, जब गांवों में स्कूल बनते हैं, सामुदायिक भवन बनकर तैयार होते हैं, अस्पताल, सड़क तैयार हो जाते हैं; तब हमारे गाँव, शहरों से कहीं आगे निकल जाते हैं।

गांवों की तरक्की बहुत जरूरी है। ग्राम स्वराज की भावना का साकार होना बहुत जरूरी है। गांवों में जब विकास होता है तो उससे व्यक्ति का वास्तविक विकास होता है।

गांवों में हमारी परंपरा और संस्कृति आज भी जीवित हैं। सामूहिकता की भावना के साथ जो बड़े से बड़ा काम हमारे गांवों में हो सकता है, वो कहीं और नहीं हो सकता है। गाँव में पैदा हुआ बालक-बालिका को जब अच्छी शिक्षा मिलती है, जब अच्छी सुविधा मिलती है तो वे पढ़ लिखकर बहुत आगे बढ़ते हैं।

आज का बालक, कल देश का जिम्मेदार नागरिक बने, इसके लिए सबसे जरूरी है कि हम अपने बालक-बालिकाओं को शिक्षित बनाने पर ध्यान दें। बच्चे शिक्षित होंगे तो उसके साथ परिवार और समाज शिक्षित होगा।

शिक्षा की गुणवत्ता किसी भी इंसान से छिपी नहीं है। शिक्षा एक सुसंस्कृत समाज का निर्माण करती है।

माता -पिता की पहली ज़िम्मेदारी है कि वह बच्चो को अच्छी शिक्षा प्रदान कर सकें।

आजकल की शिक्षा योजना में सरकारी स्कूलों में बच्चों को लगभग निःशुल्क शिक्षा दी जाती है। आरटीई के तहत निजी स्कूलों में भी जरुरतमन्द परिवारों के लिए फ्री एजुकेशन का प्रावधान है। सरकारों ने छात्रवृति योजनाएं भी चलाई हुई हैं, ताकि ज़रूरतमंद और होशियार बच्चे आगे पढ़ सके। इसके बावजूद कई परिवार अपने बालकों को समुचित शिक्षा के लिए स्कूलों में नहीं भेजते हैं।

मेरा अनुभव है कि गाँव के बालक-बालिका पढ़ाई से लेकर खेलकूद और कुछ नया करने के मामले में शहरों के युवाओं को पीछे छोड़ देते हैं, क्योंकि गाँव से निकला बालक शिक्षा के साथ संस्कारों को साथ लेकर आगे बढ़ता है, आधुनिकता की तरफ बढ़ता है तो अपनी विरासत को साथ लेकर बढ़ता है।

गाँव के युवा अपनी जड़ों से जुड़े रहते हैं। वो जब किसी पद पर जाते हैं तो भी उन्हें अपने गाँव का ध्यान रहता है। उन्हें मालूम होता है कि वो किस स्थिति-परिस्थिति से निकलकर आगे ये हैं; इसलिए वो समाज में सबके विकास का संकल्प लेकर आगे बढ़ते हैं।

हम अपने बालकों को भी अच्छे से बढ़ाएं और अपनी बालिकाओं को भी उच्च शिक्षा की तरफ आगे बढ़ाएं। जैसे जैसे टेक्नॉलजी डिवेलप हुई है, वैसे वैसे पढ़ाई अधिक सहज हुई है।

ऑनलाइन एजुकेशन का दायरा बढ़ा है। देश के सुदूर गाँव में बैठा बच्चा भी आज बड़े से बड़े कोचिंग संस्थान और यूनिवर्सिटी से पढ़ाई कर पा रहा है।

आज करियर के कई रास्ते बच्चों के लिए खुले हैं। खुद का बिजनेस शुरू करने पर सरकार की तरफ से सपोर्ट मिलता है। आज देश में सरकार युवाओं को आगे बढ़ाने पर पूरा ध्यान दे रही है।

कोटा और बूंदी के आम जनजीवन में किस तरह सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है, यहाँ किस तरह इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास हो, किस तरह यहाँ युवाओं की तरक्की हो।

हमारे किसानों को उनकी मेहनत का पूरा दाम मिले, बालक-बालिकाओं को उच्च शिक्षा मिले, माता-बहनों-बुजुर्गों और हर जन को उन्नत इलाज मिले; इस दिशा में मेरा प्रयास रहता है।

मुझे पूरा विश्वास है कि आज खैराबाद क्षेत्र में विकास के इन प्रोजेक्ट्स से हमारे क्षेत्र की उन्नति तो होगी ही, इसी के साथ गाँव – कस्बों के जन-जन का जीवन भी सुगम होगा। इसी विश्वास के साथ आप सब को बहुत बहुत शुभकामनाएं।